डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय
DR. A.P.J. ABDUL KALAM TECHNICAL UNIVERSITY
(Formerly UP Technical University)

सेक्टर-11, जनकीपुरम विस्तार योजना, लखनऊ-226031 Sector-11, Jankipuram Extionsion Yojna , Lucknow-226031
दूरभाष संख्या : 0522-2772194 फैक्स संख्या : 0522-2772189 Telephone :0522-2772194 Fax : 0522-2772189

पत्रांक:अ0क0प्रा0वि0/कुप0का0/2018/9514
दिनांक : 05.05.2018

सेवा में,

निदेशक/प्राचार्य
डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक
विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त शासकीय एवं निजी संस्थाए।

महोदय,

स्वामी विवेकानंद जी का जीवन-चरित्र राष्ट्र के लिए अमूल्य धरोहर है। स्वामी जी ने देश की आत्मा जगाने में अपना जीवन खपा दिया था। उनके बारे में डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में शिक्षको/ छात्रों में जागरूकता रहनी आवश्यक है। वह युवकों के प्रेरणा स्त्रोत के तौर पर जाने जाते हैं। छात्रों के बीच स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शो को स्थापित करने के लिए सभी संस्थानो में उनके जीवन वृत्त के ऊपर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाना जरूरी है। इस निमित्त राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर स्मृति न्याय देश भर में नाटक प्रस्तुति करती है जिसमें राष्ट्रीय स्तर के कलाकार भाग लेते हैं। विश्वविद्यालय को इस प्रकार के कार्यक्रमों को प्रदेश भर में प्रस्तुति के लिए सम्बंधित न्यास से आग्रह पत्र प्राप्त हुआ है (प्रतिलिपि संलग्न)।

आप से अनुरोध है कि निम्नलिखित पते करके सम्पर्क पर अपने संस्थान/महाविद्यालय में कार्यक्रम करवाने का कष्ट करें।

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर स्मृति न्यास
प्रधान कार्यालयः
206, द्वितीय तल, विराट भवन, कॉमार्शियल कॉम्प्लेक्स
डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
फोनः 011-455644498, टैलीफैक्सः 011-47027661
ईमेलः dinkarsmritinyas.com
www.dinkarsmritinyas.com

भवदीय,

(प्रो0 विनय कुमार पाठक)
कुलपति

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. श्री नीरज कुमार, अध्यक्ष, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर समृति न्यास, दिल्ली।
2. श्री पवन कुमार त्रिपाठी, जन-सम्पर्क अधिकारी, अ0क0प्रा0वि0, लखनऊ

Scanned by CamScanner

रजि. 6/2006 (बी-4)

नीरज कुमार
अध्यक्ष

तीन दशकों से साहित्यिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु समर्पित

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' स्मृति न्यास
प्रधान कार्यालय:
206, द्वितीय तल, विराट भवन, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स
डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
फोन: 011-45564498, टैलीफैक्स: 011-47027661
ईमेल: dinkarsmriti@yahoo.co.in
www.dinkarsmritinyas.com

पत्रांक: 339/18

दिनांक: 03/05/2018

प्रतिष्ठा में,

आदरणीय प्रो. विनय कुमार पाठक जी,
कुलपति, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय,
लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

स्वामी विवेकानंद द्वारा विश्व धर्म संसद, शिकागो (अमेरिका) में दिये गये ऐतिहासिक सम्भाषण के 125वें वर्ष के पावन अवसर पर स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं संवाद पर आधारित 'स्वामी विवेकानंद' का नाट्य मंचन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ में कराने हेतु प्रस्ताव।

स्वतंत्रता आत्मा का संगीत है -स्वामी विवेकानंद

मान्यवर,

राष्ट्रकवि दिनकर ने कहा है कि विवेकानंद वह सेतु हैं, जिस पर प्राचीन और नवीन भारत परस्पर आलिंगन करते हैं। स्वामी विवेकानंद वह समुद्र हैं, जिसमें धर्म और राजनीति, राष्ट्रीयता और अतर्राष्ट्रीयता तथा उपनिषद् और विज्ञान, सब–के–सब समाहित होते हैं। रवीन्द्रनाथ ने कहा है, ''यदि कोई भारत को समझना चाहता है तो उसे विवेकानंद को पढ़ना चाहिए।' अरविंद घोष ने कहा था, ''विवेकानंद रचनात्मक ऊर्जा के प्रतीक थे। उनकी आत्मा हमेशा मातृभूमि भारत और उसके बच्चों की आत्मा के साथ जुड़ी रहेगी।'' नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने लिखा है कि ''स्वामी विवेकानंद ने नयी पीढ़ी के लोगों में भारत के प्रति भक्ति जगायी, उसके अतीत के प्रति गौरव एवं उसके भविष्य के प्रति आस्था उत्पन्न की। उनके उद्‌गारों से लोगों में आत्म–निर्भरता और स्वाभिमान के भाव जगे हैं। महात्मा गांधी ने कहा है ''मैंने स्वामीजी के ग्रन्थ बड़े ही मनोयोग के साथ पढ़े हैं और इसके फलस्वरूप देश के प्रति मेरा प्रेम हजारों–गुना बढ़ गया है। युवकों से मेरा अनुरोध है कि जिस स्थान पर स्वामी विवेकानंद ने निवास और देहत्याग किया, वहाँ से – कुछ प्रेरणा लिए बिना, खाली हाथ मत लौटना''। डॉ. अम्बेडकर कहते है– भगवान बुद्ध के बाद यदि कोई महापुरूष भारत में आर्विभूत हुआ है, तो वे थे स्वामी विवेकानंद।

स्वामीजी ने अपनी वाणी और कर्त्तव्य से भारतवासियों में यह अभियान जगाया कि हम अत्यंत प्राचीन सभ्यता के उत्तराधिकारी हैं, हमारे ग्रंथ संसार में सबसे उन्नत और हमारा इतिहास सबसे महान् है, भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रीयता पहले उत्पन्न हुई, इस सांस्कृतिक राष्ट्रीयता के जनक स्वामी विवेकानंद थे। उनका कहना था कि ''स्वतंत्रता आत्मा का संगीत है।''

Scanned by CamScanner

शिक्षा ही वह उपादान है, जो मनुष्य के बौद्धिक स्तर को बढ़ाकर उसके जीवन को सुखद बनाता है। शिक्षा बिना मानव जीवन पंगु है। जिस मनुष्य के पास जैसी शिक्षा होगी, उसकी बुद्धि वैसी ही होगी। शिक्षा द्वारा मनुष्य अपना विकास तो करता ही है, साथ में समाज का विकास भी करता है। विश्व–विख्यात आध्यात्मिक विभूति विवेकानंद ने अपने ओजस्वी विचारों और दूरदृष्टि से समाज में नई चेतना जाग्रत् की, उसे एक नई दिशा दी। आज की पहली आवश्यकता है कि स्वामी विवेकानंद के जीवन–दर्शन से हम शिक्षा प्राप्त करें। स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को आगे रखकर हम भारत में शिक्षा की ऐसी लहर चलाएँ, जो शहर–शहर, गाँव–गाँव और घर–घर को महका दे, नए रूप में भारत को उसकी पुरानी गरिमा को दिलाने का प्रयास करें और एक बार फिर दुनिया भारत को जगदगुरु के रूप में जाने।

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' स्मृति न्यास स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक, रवीन्द्रनाथ टैगोर, मुंशी प्रेमचन्द, महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एवं राष्ट्रकवि दिनकर के विचारों को अपना लक्ष्य बनाकर सांस्कृतिक भारत के निर्माण हेतु अरवरत् कार्य कर रहा है। **इसी सिलसिले में स्वामी विवेकानंद द्वारा विश्व धर्म संसद, शिकागो (अमेरिका) में दिये गये ऐतिहासिक सम्भाषण के 125वें वर्ष के पावन अवसर पर स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं संवाद पर आधारित 'स्वामी विवेकानंद' का नाट्य मंचन लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स में दर्ज मुंबई के प्रख्यात रंगकर्मी श्री मुजीब खान एवं उनके सांस्कृतिक दल द्वारा कराने का प्रस्ताव है। 11 सितम्बर 1893 को शिकागो, अमेरिका में आयोजित विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद ऐतिहासिक सम्भाषण दिये थे, जिससे विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी थी। स्वामी विवेकानंद के विचारों को देशभर में पहुँचाने का अनवरत् कार्य न्यास द्वारा किया जा रहा है। विदित हो कि स्वामी विवेकानंद उत्तर प्रदेश के लखनऊ सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास किये थे।**

अतः आपसे अनुरोध है कि स्वामी विवेकानंद द्वारा विश्व धर्म संसद, शिकागो (अमेरिका) में दिये गये ऐतिहासिक सम्भाषण के 125वें वर्ष के पावन अवसर पर स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं संवाद पर आधारित 'स्वामी विवेकानंद' का नाट्य मंचन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में कराने की कृपा करें।

कृपया, अपनी स्वीकृति से अवगत करायें।
सादर,

भवदीय
नीरज कुमार
मो. 9650334142

सुनहरे पल :- विदित हो कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' स्मृति न्यास द्वारा आयोजित हुये ''राष्ट्रप्रेम उत्सव'' में ''स्वामी विवेकानंद'' नाट्य मंचन को श्री रामनाथ कोविंद, माननीय राष्ट्रपति, प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी, माननीय राज्यपाल, हरियाणा, श्री मनोहर लाल, माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा, माननीय डॉ. कर्ण सिंह, सांसद एवं सुप्रसिद्ध विचारक, श्री अश्विनी कुमार चौबे स्वास्थ्य राज्य मंत्री, डॉ. सत्यनारायण जटिया, सांसद, लोकमान्य तिलक की पौत्रवधू पुणे की माननीया मेयर श्रीमती मुक्ता तिलक एवं देशभर के दर्जनों माननीय सांसद एवं शिक्षाविद देखकर प्रसन्नता जाहिर किये एवं सांस्कृतिक दल को साधुवाद दिये।

Scanned by CamScanner